चहुंमुखी विकास के लिए शिक्षा में नयी दिशा की आवश्यकता–सिंह

आबू रोड. केन्द्रिय विद्यालय के दिल्ली क्षेत्र के संयुक्त मुख्य उपायुक्त डा0 यू0 एन0 सिंह ने कहा कि शिक्षित समाज ही शिक्षा के महत्व को समझ सकता है। आज की शिक्षा प्रणाली में नयी दिशा की आवश्यकता है। मूल्यों का लगातार गिरना एक दुखद पहलू है। वे ब्रह्माकुमारी शान्तिवन मे मानव संसाधन मंत्रालय भारत सरकार दिल्ली तथा ब्रह्माकुमारीज संस्था के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित त्रिदिवसीय महासम्मेलन में देश भर से आये केन्द्रिय विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को सम्बोधित कर रहे थे।

आगे उन्होंने कहा कि यह जरूर है कि भौतिक शिक्षा में दिनोदिन नये आयाम स्थापित हो रहे है परन्तु मूल्यों और संस्कृति का पतन इसकी कमी को दर्शाता है। वर्तमान शिक्षा प्रणाली में नैतिक मूल्यों को समावेश कर एक दिशा दी जा सकती है। आज के बच्चों में सदाचार को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। इसके लिए माता–पिता और शिक्षकों की भी महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। देश भर से आये प्रधानाचार्यों को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमारी संस्कृति में ही हमारा विकास निर्भर है। केवल बाह्य विकास नहीं बल्कि रिश्तों, आन्तरिक सम्बन्धों एव भाईचारे के विकास को लगातार बढ़ाने की आवश्यकता है।

ब्रह्माकुमारी संस्था की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी ह्दयमोहिनी ने कहा कि केवल किताबी ज्ञान हमारे जीवन को शिक्षित नहीं कर सकता बल्कि उसके लिए जीवन में उतारने की आवश्यकता है। जब तक हमारे अन्दर मूल्य नहीं होंगे हम दूसरों को पढ़ा नहीं सकते। शत–प्रतिशत हमारे बात का प्रभाव तभी पड़ेगा जब तक सदाचार और मानवीय मूल्यों का हमारे अन्दर प्रधानता होगी। शिक्षक को देखकर ही बच्चे अपनी दिशा और दशा तय करते हैं। इसलिए हमारी सोच और हमारे कर्म सदैव श्रेष्ठ होंगे। क्योंकि आज समाज में श्रेष्ठ और शुद्ध समाज तथा सदभावना पूर्ण माहौल की आवश्यकता है।

जयपुर क्षेत्र के शिक्षा अधिकारी चावला जी ने कहा कि शिक्षक पहला गुरू होता है जो बच्चे की समझ, हर कर्म को प्रभावित करता है तथा बच्चा से ही युवा और देश का भविष्य बनेगा इसलिए हमें देश के भविष्य को ठीक रखना है तो आने वाली पीढ़ी को संस्कारवान बनाने की आवश्यकता है। शिक्षा प्रभाग के उपाध्यक्ष ब्र0 कु0 मृत्युंजय ने कहा शिक्षा प्रभाग के द्वारा स्कुलों, कालेजों तथा विश्वविद्यालयों में गीन द अर्थ, क्लीन द माईण्ड, प्रोजेक्ट के उपर प्रकाश डालते हुए कहा कि जब तक हमारा मन शान्त और साफ नहीं होगा तब पर्यावरण के साथ–साथ धरती की भी रक्षा नही कर सकते। इसलिए बच्चों को इस शिक्षा की आवश्यकता है।

शिक्षा प्रभाग की मुख्यालय संयोजक ब्र0 कु0 शीलू ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर देश भर से आये एक हजार केन्द्रिय विद्यालय के प्रधानाचार्य तथा मानव संसाधन मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भाग ले रहे हैं।